Subject: **विषय-ट्राई द्वारा आपरेटरों के हित मे मांगे गए सुझाव के संबंध में**
To: arvind@trai.gov.in, vk.agarwal@trai.gov.in

Date: 09/19/19 05:29 PM
From: AMBRISH TRIPATHI <reporter.ambrish@gmail.com>

विषय-ट्राई द्वारा आपरेटरों के हित मे मांगे गए सुझाव के संबंध में
केबिल ऑपरेटर अम्बरीष त्रिपाठी कानपुर 9956700616
ट्राई के सभी सम्मानित सदस्यों को मेरा नमस्कार

सर बड़े हर्ष की बात है कि आपने इतने केबिल टीवी व्यापार में बदलाव के बाद जो केबिल आपरेटर से उसके हित मे सुझाव मांगे तो उसके लिए आपको तहे दिल से धन्यवाद। हम लोग तो मान चुके थे कि ट्राई केबिल आपरेटरों को अपने सभी नियमो को ट्राई करके खत्म ही कर देगी।लेकिन अब एक उम्मीद किरण फिर उगी है, जो आपने सभी lco से व्यापार के हित मे सुझाव पत्र मांगे, आगे बाकी सब आपके हाथों में है क्योंकि केबिल आपरेटर ने पूरी उम्र बड़ी ही मेहनत से इस व्यापार को तैयार किया है, आपलोग ही इसे पूंजी पतियो की बुरी नजर से बचा सकते है
ऐसे ही कुछ सुझाव हम भेज रहे है जो आपकी नजरो में सही या गलत भी हो सकते है

1 फ्री डिश में 130 +18 प्रतिशत gst होना चाहिए क्योकि सब केबिल आपरेटर भी फ्री चैनलो का यही रुपया जब कस्टमर से मांगता है तो कस्टमर फ्री डिश में शिफ्ट हो जाता है और केबिल का कनेक्शन और कम हो जाता है साथ ही एक कि देखा देखी और लोग भी सलाह लेकर वो भी फ्री डिश में शिफ्ट हो जाते है, बड़े बड़े कमर्शियल होटल भी जो एक एक रूम को हजारों रुपये लेकर कराये में देते है वो भी केबिल ऑपरेटर के fta पैक न लेकर फ्री डिश लगवा लेते है। जबकि फ्री डिश उन गरीब लोगों के लिए बनी थी कि जो लोग गरीब होते थे और देश की जानकारी के लिए कुछ समाचार चैनल और मनोरंजन के लिए कुछ चैनल दिखाने को बनी थी अब तो वह गरीब आदमी के बजाय अमीर लोगो के साथ साथ कमर्शियल जगहों में भी लग गई है और केबिल आपरेटर का व्यापार इन जगहों से खत्म हो गया है। जबकि होना ये चाहिए कि वास्तव में जो गरीब हो उसको ही फ्री डिश मिलना चाहिए या फिर सबको फ्री डिश का 153 रुपये मासिक लेना चाहिए

2-मोबाइल से चलने वाले पे चैनलो का केबिल टीवी चैनल के हिसाब से दाम होना चाहिए
क्योकि जब से मोबाइल एप के जरिये चैनल चालू हो गए है तब से लगातार अधिकतर लोग फ्री का नेट मिलने से टीवी चैनलों का मजा फ्री में ले रहे है जबकि नियम ये हो कि पे चैनलो का जो दाम केबिल और dth में लगता है वो मोबाइल एप से चलने वाले चैनलो में लगे ताकि सरकारी राजस्व भी बढ़े, और जरूरत मन्द लोग जरूरत के अनुसार खर्च करे।

3-Dth से केबिल टीवी के दाम कम होने चाहिए बल्कि dth में gst 18 प्रतिशत और केबिल में 5 प्रतिशत होना चाहिए। क्योकि केबिल ऑपरेटर चाहे जितनी मेहनत कर ले उसका प्रसारण पूरे महीने नही कस्टमर को मिल पाता है क्यो की केबिल ऑपरेटर का पूरा धंधा सड़क पर है और आय दिन सड़क पर कोई न कोई नुकशान होता है उसकी भरपाई से भी केबिल आपरेटर का नुकसान होता है और कस्टमर का प्रो ग्राम बाधित होता है ऐसी स्थिति को देखते हुए केबिल के दाम dth से कम होने चाहिए क्योंकि हर जगह केबिल सम्भव नही है उन जगह का dth भरपूर पूरा फायदा उठा रहे है
4-केबिल आपरेटर पहले भी एक नुकशान सरकार की वजह से खा चुका है जब उसका लोकल चैनल पर सरकार ने रोक लगा दी और उस चैनल पर भारी भरकम टैक्स लगा दिया। जबकि केबिल का व्यापार लोकल चैनल चलाकर एक घर से दूसरे घर को जोड़कर बनाया गया, उस चैनल को दिखाने के बाद लगने वाला मनोरंजन कर दिया बाद में उस केबिल नेटवर्क में सेटेलाइट चैनल वाले घुस आए और अपनी बाजार बना ली इधर सरकार ने उसी केबिल नेटवर्क में चल रहे लोकल चैनल पर दोबारा टैक्स लगाकर उसे बंद करा दिया जिस कारण हजारो लोग लोकल चैनल में काम करने वाले बेरोजगार हो गए और सरकार को ये सब लोग दिखाई नही दिए

4-केबिल ऑपरेटर को mso से कम दाम पर बेहतर सिग्नल मिलना चाहिए।और mso की मोनोपोली खत्म होनी चाहिए, साथ ही केबिल आपरेटरों को नए नेटवर्क लगाने की व्यवस्था बताई जाये। जो लोग वाकई में जिम्मेदारी से केबिल टीवी का काम करना चाहते हो।